भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

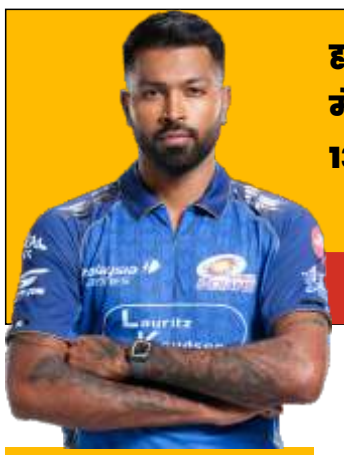

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

Page-04

मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में विनीत कुमार सिंह दिखाएंगे खौफनाक अंदाज़

Page-05

### शाह बोले- जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी होगी

# जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी होगी

# अब बस्तर से लाल आतंक खत्म

- हथियार उठाने वालों को देना होगा जवाब
- शांति भंग करने की कोशिश पर सरकार सतर्क

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर डेढ़ घंटे स्पीच दी। उन्होंने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। हथियार उठाने वालों को उसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा- सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। कांग्रेस ने आजादी के बाद 75 साल में 60 साल राज किया। फिर आदिवासी विकास से क्यों बच गए। शाह ने कहा- कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। जो लोग नक्सलवाद की वकालात करते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं ये सब 1970 से अब तक क्यों नहीं हुआ था। संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हुई। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं। बस्तर से नक्सलवाद लगभग पूरी तरह खत्म हो चुका है। हर एक गांव में स्कूल खोलने के लिए अभियान चलाया गया। हर गांव में राशन की दुकान, हर तहसील और पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) स्थापित किए गए हैं। लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए गए हैं। उन्हें पांच किलोग्राम अनाज मिल रहा है। जो नक्सलवाद की वकालत कर रहे थे, उनसे पूछना चाहता हूं कि आदिवासियों के पास अब तक विकास क्यों नहीं पहुंचा। बस्तर के लोग इसलिए पीछे रह गए, क्योंकि इस क्षेत्र पर 'लाल आतंक' का साया मंडरा रहा था। आज वह साया हट गया है और बस्तर अब विकास के पथ पर अग्रसर है। 70 में से 60 साल कांग्रेस की सरकार रही। आपने क्यों नहीं किया विकास। आज आप हिसाब मांग रहे हो। इंदिरा गांधी माओवादी विचारधारा की गिरफ्त में थीं। उनके कार्यकाल में नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन 12 राज्यों, 17 प्रतिशत भू-भाग 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी में फैल गया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है। 2014 में बदलाव हुआ। धारा 370 हटी, 35-ए हटा, राम मंदिर बना, CAA कानून आ गया है, विधायी मंडलों में महिलाओं को 33% आरक्षण मिल गया है।

## 'एक ही चरण में...', पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों पर विपक्ष ने उठाए सवाल

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं. भाजपा ने चुनाव कार्यक्रम का स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि जनता विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान करेगी. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने X पोस्ट में लिखा, 'पांचों राज्यों के चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही एनडीए और भाजपा के कार्यकर्ता आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ओर जहां असम और पुडुचेरी में पुनः एनडीए की सरकार बनने जा रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरलम में भी जनता के आशीर्वाद से एनडीए की विजय का मार्ग प्रशस्त हो रहा है.' भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुग ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व होते हैं, जो जनता की भागीदारी को मजबूत करते हैं और विकास तथा जनकल्याण के नए रास्ते खोलते हैं. उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इन राज्यों के जागरूक मतदाता लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखते हुए विकास और स्थिरता के पक्ष में स्पष्ट जनादेश देंगे. भाजपा प्रवक्ता प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए रिवर्स काउंटडाउन शुरू हो गया है.

## नीतीश कुमार के इस्तीफे से राजनीतिक भूचाल

बिहार की राजनीति में एक अहम मोड़ उस समय आया जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. करीब 20 साल तक इस पद पर रहने के बाद उन्होंने 30 मार्च 2026 से अपना त्यागपत्र सभापति को सौंप दिया. नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ ही बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचलें तेज हो गईं. जी हां प्रदेश में अब नए मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है. खास बात यह है कि नीतीश कुमार ने 20 साल के विधायकी के जीवन को सिर्फ एक लाइन के इस्तीफे में समाप्त कर दिया. नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा सिर्फ एक लाइन में लिखा- "मैं इसके द्वारा तिथि 30 मार्च 2026 से सदन से अपने स्थान का त्याग करता हूं." इतने लंबे राजनीतिक अनुभव वाले नेता का इतना छोटा और सीधा इस्तीफा लोगों के बीच तेजी से वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जहां लोग इसकी सादगी और औपचारिकता दोनों पर चर्चा कर रहे हैं. दरअसल, यह कोई असामान्य बात नहीं है. बिहार विधानसभा और विधान परिषद के नियमों के अनुसार, किसी भी सदस्य को इस्तीफा देते समय एक तय प्रारूप का पालन करना होता है.

### बढ़ते तनाव के बीच कूटनीतिक सख्ती

# स्पेन का बड़ा फैसला: यूनाइटेड स्टेट्स के लिए एयरस्पेस बंद

स्पेन ने सैन्य संघर्ष में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस न उपलब्ध करने का फैसला लिया है। निर्णय के अनुसार, स्पेन सैन्य अभियान के लिए भी अपने मिलिट्री बेस का इस्तेमाल नहीं करने देगा। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गारीटा रोब्लेस ने राजधानी मैड्रिड में पत्रकारों से कहा, हम ईरान में युद्ध से जुड़े एक्शन के लिए न तो सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की और न ही एयरस्पेस के इस्तेमाल की इजाजत देते हैं। स्पेनिश अखबार एल पेस ने सोमवार को सबसे पहले सैन्य सूत्रों के हवाले से यह खबर दी थी। इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को अपने रूट बदलने पड़ेंगे, हालांकि मानवीय और इमरजेंसी उड़ानों को छूट दी गई है। एल पेस ने कहा कि एयरस्पेस बंद होने से मिलिट्री प्लेन को मिडिल ईस्ट में अपने टारगेट तक

जाने के लिए नाटो मेंबर स्पेन को बायपास करना पड़ेगा, लेकिन इसमें आपातकालीन स्थिति शामिल नहीं हैं। स्पेनिश अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो ने कहा कि यह (ईरान पर एयर स्ट्राइक) फैसला एकतरफा और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ था और वो शुरू से ही इसका समर्थन नहीं कर रहे हैं। मौजूदा फैसला भी उसी विरोध की कड़ी है। दरअसल उनसे पूछा गया था कि क्या इससे अमेरिका के साथ रिश्तों में दरार आएगी?

# ईरान का 'पाताल लोक' बना मरने के लिए खतरा

मध्य-पूर्व में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी तनाव अब एक नए मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है. दोनों ओर से लगातार शांति प्रस्तावों के लिए शर्तें रखी जा रही हैं. लेकिन दोनों ही ओर से एक दूसरे की शर्तों को माना नहीं जा रहा है. इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप के सख्त बयानों ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है. इस पूरे घटनाक्रम में अब ईरान के तीन गुप्त सैन्य ठिकाने चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें किसी भी संभावित जमीनी युद्ध में निर्णायक माना जा रहा है. ट्रंप ने साफ तौर पर कहा है कि शांति वार्ता अपने मकसद में सफल नहीं हुई तो ईरान को इसके गंभीर परिणाम भुगतना होंगे. दरअसल ईरान का कथित 'पाताल लोक' इजरायल और अमेरिका के लिए बड़ी मुश्किल बन गया है. ईरान अपने तीन गोपनीय ठिकानों से इन दोनों देशों या यूं कहें

ईरान के दुश्मनों का शिकार कर रहे हैं. आइए जानते हैं कौन से है ये तीन ठिकाने... केश्म आइलैंड को ईरान का समुद्री किला कहा जाता है. यह द्वीप Strait of Hormuz के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया की बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति गुजरती है. बताया जाता है कि यहां पहाड़ों के नीचे अंडरग्राउंड मिसाइल ठिकानों का जाल है, जो सीधे समुद्र की ओर खुलते हैं. इन ठिकानों पर एंटी-शिप मिसाइलें और ड्रोन तैनात हैं, जो दुश्मन के युद्धपोतों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं. इस वजह से केश्म द्वीप को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है.

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

| साईज | विजिटिंग कार्ड | क्वाटर पेज | हाफ पेज | फुल पेज (अंदर) | फुल पेज (कवर 2 - 3) | फुल पेज (कवर 4 - अंतिम) | (फ्रंट पेज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रेट | ₹ 3000 | ₹ 6000 | ₹ 10,000 | ₹ 20,000 | ₹ 25,000 | ₹ 30,000 | ₹ 100000 |

8601780000

## अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, जल्दी समझौता नहीं तो तो मैं इसे ले लूंगा...

# खर्ग द्वीप को लेकर ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी

**अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य तुरंत नहीं खोलेगा और बातचीत में समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका ईरान के तेल, ऊर्जा संयंत्र और खार्ग द्वीप पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ईरान ने इस दावे को खारिज किया है।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान को चेतावनी दी है कि यदि होर्मुज़ जलडमरूमध्य तुरंत व्यापार के लिए खुला नहीं किया गया और बातचीत में जल्द समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल उत्पादन स्थलों और ऊर्जा संयंत्रों पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बयान अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर साझा किया।ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ एक नए और अधिक समझदार शासन के माध्यम से बातचीत कर रहा है और इस बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। लेकिन यदि वार्ता असफल रही, तो अमेरिका ईरान में अपने रुकने को समाप्त करते हुए खार्ग द्वीप, तेल के कुएं, बिजली संयंत्रों और संभवतः समुद्र के पानी को पीने योग्य बनाने वाले प्लांटों को पूरी तरह नष्ट कर देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब तक इन स्थानों को जानबूझकर नुकसान नहीं पहुंचाया गया है।राष्ट्रपति ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी बल फारस की खाड़ी में स्थित ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्र खार्ग द्वीप को आसानी से अपने नियंत्रण में ले सकते हैं। उन्होंने कहा, "हो सकता है कि हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है कि न करें। हमारे पास कई विकल्प हैं। इसका मतलब यह भी होगा कि हमें कुछ समय वहां रहना होगा। मुझे नहीं लगता कि उनके पास कोई पर्याप्त रक्षा व्यवस्था है।" उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पहले भी खार्ग द्वीप पर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं।ईरान ने अमेरिका की इस धमकी का कड़ा जवाब देते हुए कहा है कि यदि अमेरिकी सेना उसके क्षेत्र में कदम रखती है, तो वह खाड़ी के अरब देशों पर जमीनी आक्रमण कर सकता है और नए हमले करेगा।ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कलीबाफ ने फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों के गुजरने की अनुमति दी। उन्होंने इसे संकेत के रूप में पेश किया कि कलीबाफ ईरान की धार्मिक शासन व्यवस्था में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें पहले पाकिस्तानी ध्वज वाले 10 टैंकर दिए गए थे, जिन्हें अब बढ़ाकर 20 कर दिया गया है और ये जलडमरूमध्य के बीच से गुजर रहे हैं। उन्होंने कलीबाफ की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि युद्ध के दौरान उन्होंने जहाजों को सौंपने की अनुमति दी, जो अमेरिका के लिए सकारात्मक संकेत है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की कार्रवाई ईरान के पुराने शासन के 47 वर्षों के आतंक के दौरान मारे गए सैनिकों और नागरिकों की सुरक्षा के जवाब में होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपनी सैन्य ताकत के विकल्पों को खुले तौर पर बनाए रखे हुए है और किसी भी स्थिति में फारस की खाड़ी और ऊर्जा स्थलों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की इस बयानबाजी का उद्देश्य ईरान पर दबाव बढ़ाना और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को व्यापारिक रूप से खुला रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संकेत देना है। साथ ही यह अमेरिका की सैन्य विकल्पों की ताकत और चेतावनी को भी दर्शाता है, जिससे ईरान के भीतर रणनीतिक संदेश भेजा गया है।

## इस्लामाबाद में रेड कार्पेट पर फिसले पाक उप प्रधानमंत्री

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के साथ एक औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान अप्रत्याशित घटना सामने आई। मध्य पूर्व में तनाव कम करने को लेकर आयोजित कूटनीतिक वार्ता से पहले मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलत्ती के स्वागत के दौरान इशाक डार रेड कार्पेट पर फिसलकर गिर पड़े। डार जैसे ही अतिथि का अभिवादन करने आगे बढ़े, उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जमीन पर गिर गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें संभाला। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में उनके कंधे में हल्का फ्रैक्चर आया, हालांकि शुरुआत में इसे मामूली चोट बताया गया।घटना के बावजूद इशाक डार ने अपने निर्धारित कार्यक्रमों में कोई बदलाव नहीं किया और दर्द निवारक दवाइयों के सहारे दिनभर की सभी महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लिया। उनके बेटे अली डार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि परिवार के अनुरोध पर देर शाम उनकी चिकित्सकीय जांच कराई गई, जिसमें कंधे में मामूली फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि दवाओं और सावधानियों के जरिए जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी।यह घटना उस समय हुई जब इस्लामाबाद में पाकिस्तान, मिस्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही थी। बैठक में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद इशाक डार ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए युद्ध का समाप्त होना जरूरी है और यह किसी के हित में नहीं है। उन्होंने मुस्लिम देशों के बीच एकजुटता पर भी जोर दिया और इस्लामाबाद में संभावित अमेरिका-ईरान वार्ता की पहल को सकारात्मक बताया।

## भारत में बिजली मांग दो लाख पचास हजार मेगावाट तक पहुंच सकती है

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

भीषण गर्मी ने अभी से ही लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है, जिससे यह सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले महीनों में तापमान किस स्तर तक पहुंच सकता है। देश के कई हिस्सों में मार्च के अंतिम सप्ताह से ही तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। इस बीच पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में चल रहे तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। हालात ऐसे बन रहे हैं कि लोग अब खाना पकाने जैसे घरेलू कार्यों के लिए भी बिजली पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसे में जब अप्रैल से जून के बीच भीषण गर्मी अपने चरम पर होगी, तब बिजली की मांग में भारी उछाल आना लगभग तय माना जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि इस वर्ष भारत में अधिकतम बिजली मांग दो लाख पचास हजार मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर होगा। पिछले वर्ष भी गर्मी के मौसम में मांग ने कई रिकॉर्ड तोड़े थे और करीब दो लाख तीस हजार मेगावाट तक पहुंच गई थी। इस बार तापमान अधिक रहने की संभावना के चलते मांग और अधिक बढ़ सकती है। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व क्षेत्र दुनिया के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता माने जाते हैं। यहां जारी तनाव का सीधा असर कच्चे तेल

और गैस की आपूर्ति पर पड़ रहा है। हालांकि भारत अपनी बिजली जरूरतों का बड़ा हिस्सा कोयले से पूरा करता है, लेकिन गैस आधारित बिजली संयंत्र और आयातित ईंधन भी ऊर्जा संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होती है तो इसका असर भारत की ऊर्जा लागत पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जीवनशैली में बदलाव के कारण लोग अब गैस की जगह बिजली आधारित उपकरणों का अधिक उपयोग करने लगे हैं। इंडक्शन चूल्हे, बिजली से चलने वाले हीटर और अन्य उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल ने कुल बिजली खपत को और बढ़ा दिया है।

## ईरान ने पाकिस्तान के अमेरिका-ईरान वार्ता दावे को किया खारिज

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

ईरान ने पाकिस्तान द्वारा किए गए दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि इस्लामाबाद मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत की मेजबानी करने को तैयार है। ईरानी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई औपचारिक बातचीत नहीं हो रही है और पाकिस्तान की ओर से किसी प्रकार की संलिप्तता की बात गलत है।पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की थी कि वह अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता की मेजबानी कर सकता है। यह बयान इस्लामाबाद में उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया, जिसमें पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की के समकक्षों के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान मंत्रियों ने संघर्ष के प्रभाव, वैश्विक समुद्री मार्गों पर व्यवधान और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा की।हालांकि, पाकिस्तान के इस दावे के बावजूद, इस्लामाबाद में हुई बैठक में अमेरिका, ईरान या इज़राइल के किसी भी प्रतिनिधि ने भाग नहीं लिया। इससे इस तरह की वार्ता की व्यवहार्यता और प्रभाव पर सवाल उठ रहे हैं।ईरानी सूत्रों ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष संवाद जारी रखे हुए हैं, लेकिन किसी औपचारिक और प्रत्यक्ष वार्ता पर अभी तक सहमति नहीं बनी है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने मध्यस्थों के माध्यम से वाशिंगटन के प्रस्तावों का जवाब दिया है, लेकिन कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है।

# सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता

## खतरनाक आतंकी जिंदा दबोचा गया

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

नई दिल्ली। राजधानी से एक बड़ी सुरक्षा सफलता सामने आई है, जहां खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकी की पहचान शब्बीर अहमद लोन के रूप में हुई है, जो लंबे समय से भारत में आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की साजिश में जुटा बताया जा रहा है।सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में प्रवेश करने वाला है। इसके बाद स्पेशल सेल ने जाल बिछाया और जैसे ही वह राजधानी की सीमा में दाखिल हुआ, उसे धर दबोचा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बांग्लादेश में बैठकर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रहा था।जांच एजेंसियों का कहना है कि शब्बीर का उद्देश्य भारत में नए आतंकी मॉड्यूल तैयार करना और युवाओं को बहकाकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करना था। यह भी सामने आया है कि वह बांग्लादेश के रास्ते भारत में अवैध रूप से रह रहे युवाओं को

निशाना बनाकर उन्हें अपने नेटवर्क में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। बताया जा रहा है कि शब्बीर का आतंकी गतिविधियों से पुराना संबंध रहा है। वर्ष 2007 में उसे भारी मात्रा में हथियारों, जिनमें एके-47 और ग्रेनेड शामिल थे, के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे सजा हुई और वह तिहाड़ जेल में 2018 तक बंद रहा। हालांकि रिहाई के बाद वह दोबारा आतंकी गतिविधियों में सक्रिय हो गया। सूत्रों के मुताबिक, उसके संबंध हाफिज सईद और जाकिर उर रहमान लखवी जैसे आतंकी सरगनाओं से भी रहे हैं। उसने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद स्थित आतंकी शिविरों में प्रशिक्षण भी प्राप्त किया, जहां उसे बेसिक और एडवांस स्तर की ट्रेनिंग दी गईजांच में यह भी संकेत मिले हैं कि हाल ही में दिल्ली और कोलकाता समेत कई शहरों में भारत विरोधी पोस्टर लगाने के पीछे इसी नेटवर्क का हाथ हो सकता है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां आरोपी से पूछताछ कर रही हैं और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक जांच जारी है।

## संपादक की कलम से

शिक्षा को हमेशा से विकास की रीढ़ माना गया है। लेकिन बदलते समय के साथ शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। आज पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल लर्निंग, स्किल-बेस्ड एजुकेशन और व्यावसायिक प्रशिक्षण को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यह बदलाव निश्चित रूप से आवश्यक है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं।सबसे पहले, वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्यावहारिक ज्ञान की कमी एक गंभीर समस्या रही है। छात्र अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान तो प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उसे लागू करने में कठिनाई महसूस करते हैं। यही कारण है कि डिग्री हासिल करने के बाद भी कई युवा रोजगार के लिए संघर्ष करते हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए शिक्षा में कौशल विकास और इंटर्नशिप जैसे पहलुओं को शामिल करना जरूरी है।दूसरी ओर, डिजिटल शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। ऑनलाइन कक्षाएं, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और वर्चुअल क्लासरूम ने शिक्षा को अधिक सुलभ बना दिया है। खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों को इससे लाभ मिला है। लेकिन डिजिटल विभाजन (Digital Divide) अभी भी एक बड़ी चुनौती है। कई क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी और संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण छात्र इस नई प्रणाली का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।इसके अलावा, शिक्षा में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और परीक्षा का दबाव भी युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। अच्छे अंक प्राप्त करने की होड़ में छात्र तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली को केवल अंकों तक सीमित न रखकर, समग्र विकास पर ध्यान दिया जाए।सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति (NEP) जैसे कदम उठाए गए हैं, जो शिक्षा को अधिक लचीला और व्यावहारिक बनाने का प्रयास करते हैं। इसमें बहु-विषयक अध्ययन, कौशल विकास और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। हालांकि, इन नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।अंततः, यह स्पष्ट है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार समय की मांग है। यदि हम युवाओं को केवल डिग्री धारक नहीं, बल्कि सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाना चाहते हैं, तो शिक्षा में गुणवत्ता, समानता और व्यावहारिकता पर विशेष ध्यान देना होगा। तभी भारत का युवा वर्ग देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकेगा।

# प्रधानमंत्री मोदी ने असम भाजपा कार्यकर्ताओं से की बातचीत,
# जमीनी स्तर पर चुनाव अभियान को तेज करने का आह्वान

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो ऐप के जरिए असम के भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फर्जी वीडियो और अफवाहों से सतर्क रहने की सलाह दी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीसरी बार सरकार बनाने का दावा किया।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नमो ऐप के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के तहत असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद किया। इस बातचीत का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की रणनीति को और प्रभावी बनाना और कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन को राज्य में व्यापक समर्थन प्राप्त है, लेकिन चुनावी जीत सुनिश्चित करने के लिए अभियान को और मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया मांगी और कहा कि हर बूथ पर पार्टी की उपस्थिति और सक्रियता सुनिश्चित करना चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगा। राज्य की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले असम में लंबे समय तक अस्थिरता का दौर रहा था। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले एक दशक में सभी क्षेत्रों में स्पष्ट बदलाव आए हैं और अब पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से अपेक्षा है कि वे पूर्व कांग्रेस सरकारों के शासन को याद रखें। प्रधानमंत्री ने कहा, "एक छोटी सी गलती भी असम को पीछे धकेल सकती है, इसलिए सतत विकास के लिए शांति और स्थिरता आवश्यक है।"संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को एआई द्वारा उत्पन्न फर्जी वीडियो और अफवाहों के बढ़ते खतरे के बारे में आगाह किया। उन्होंने कहा कि चुनावी मौसम में गलत जानकारी लोकतंत्र और मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को लोगों को जागरूक करने और सुनिश्चित करने की सलाह दी कि कोई भी गलत सूचना राज्य के विकास और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा न बने।प्रधानमंत्री ने कांग्रेस सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि पिछली सरकारें विद्रोही संगठनों और छात्र संगठनों के साथ समझौते करने में विफल रही, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से अशांति बनी रही। उन्होंने बताया कि भाजपा की सरकार ने इन चुनौतियों का सामना करते हुए राज्य में विकास और शांति सुनिश्चित की है। इसी संदर्भ में, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार (29 मार्च) को असम में पार्टी की लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की बात कही। उन्होंने मार्गेरिटा क्षेत्र में मौजूदा भाजपा विधायक भास्कर शर्मा के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारें राज्य के विकास के बजाय केवल वोट बैंक की राजनीति में लिप्त रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे "काले अध्याय" को याद कर जनता को भाजपा की उपलब्धियों और विकास योजनाओं के बारे में जागरूक करें।भाजपा नेतृत्व का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नबीन के निर्देशों के साथ कार्यकर्ता पूरे राज्य में बूथ स्तर पर सक्रिय रहेंगे, जिससे पार्टी असम में तीसरी बार लगातार सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल कर सकेगी। आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की रणनीति जमीनी स्तर पर मतदान प्रभाव को अधिकतम करने और राज्य में स्थिरता और विकास को केंद्र में रखने पर आधारित है।इस प्रकार, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेतृत्व की अपील ने राज्य के कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह बढ़ा दिया है, जिससे असम के चुनावी परिदृश्य में भाजपा की तैयारी और मजबूत दिखाई दे रही है।

# राहुल गांधी ने खोला भाजपा-एलडीएफ का राज़

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

केरल। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को अडूर में एक जनसभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर केरल विधानसभा चुनावों में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को परोक्ष रूप से समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनावी मुकाबले को मुख्य रूप से यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और "सीपीआई (एम)-भाजपा गठबंधन" के बीच की लड़ाई बताया।गांधी ने कहा कि केरल में भाजपा का एक "छिपा हुआ हाथ" है, जो यूडीएफ को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा यह जानती है कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी ही उनकी चुनौती पेश कर सकती है, इसलिए भाजपा यूडीएफ को सत्ता में नहीं देखना चाहती। गांधी ने भाजपा और आरएसएस के साथ अपनी वैचारिक लड़ाई पर जोर दिया।कांग्रेस नेता ने केंद्रीय एजेंसियों की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जाता है, जबकि एलडीएफ नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें लगातार 55 घंटे तक पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री और एलडीएफ नेताओं के खिलाफ कोई जांच नहीं हुई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने उनकी हालिया पलक्कड़ यात्रा के दौरान सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों पर चुप्पी बरतने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि चुनावी लाभ के लिए भाजपा मंदिर और धर्म का मुद्दा उठाती है, लेकिन सबरीमाला और भगवान अयप्पा मंदिर से जुड़े संवेदनशील मामलों पर कुछ नहीं कहती।गांधी ने आश्वासन दिया कि यदि यूडीएफ सत्ता में आती है, तो मंदिर से संबंधित किसी भी अनियमितता को दूर किया जाएगा और धार्मिक मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। राहुल गांधी के इस बयान ने केरल चुनावी परिदृश्य में नई हलचल पैदा कर दी है, और यह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस भाजपा और एलडीएफ के संभावित गठजोड़ पर जनता और आयोग दोनों का ध्यान आकर्षित करना चाहती है।

# भाजपा ने ममता बनर्जी पर आचार संहिता
# उल्लंघन का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

**पश्चिम बंगाल।** राज्य में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (TMC) की प्रमुख ममता बनर्जी को चुनाव प्रचार से तत्काल रोक लगाने की कार्रवाई की जाए। पार्टी का आरोप है कि उन्होंने बार-बार चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है, जिससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है, जिसमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और किरण रिजिजू सहित कई प्रमुख नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य में चुनावी नियमों और कानूनों का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है, और ऐसे कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पार्टी ने आयोग से आग्रह किया है कि प्रभावी और डर पैदा करने वाले उपाय अपनाए जाएं, ताकि किसी भी अनियमितता को तुरंत रोका जा सके। ज्ञापन में भाजपा ने राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की भी मांग की है, ताकि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। पार्टी ने कई उदाहरणों का जिक्र किया है, जिसमें कथित तौर पर ममता बनर्जी के बयान राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले और जनता के बीच भय का माहौल बनाने वाले रहे हैं। विशेष रूप से उत्तर बंगाल के मयनागुड़ी क्षेत्र में उनके हालिया बयान पर विवाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को पोस्टर लेकर बैठना पड़ेगा, जिसमें यह लिखा होगा कि वे भाजपा से नहीं हैं। भाजपा का कहना है कि यह बयान पूर्ववर्ती 2021 विधानसभा चुनाव के हिंसक माहौल को दोहराने की कोशिश का संकेत है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री के रूप में ममता बनर्जी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, लेकिन उनके आचरण से संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों की अनदेखी प्रतीत होती है। भाजपा ने चुनाव आयोग से अपील की है कि मतदाता सूची की शुद्धता और चुनाव की पवित्रता पर कड़ी नजर रखी जाए। आयोग का रुख इस विवाद पर तय करेगा कि क्या ममता बनर्जी के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है। फिलहाल यह मामला राज्य में चुनावी राजनीति का बड़ा विवाद बन गया है और आने वाले दिनों में इसका असर चुनावी माहौल पर देखा जा सकता है।

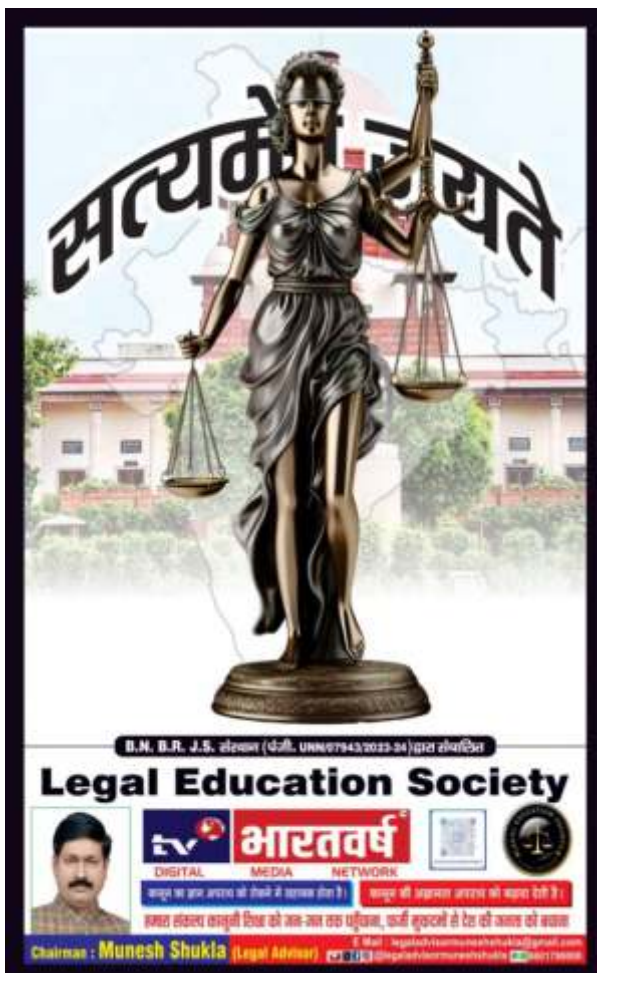

# डॉलर के मुकाबले रुपये का दबाव जारी

# बाजार में शुरुआती बढ़त गंवाई

भारतीय रुपया सोमवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में शुरुआती मजबूती खोते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर 95.22 पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू मुद्रा पर दबाव का मुख्य कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, जारी भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत डॉलर का वैश्विक माहौल है।रुपया ने दिन की शुरुआत सकारात्मक नोट पर की थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर खुला और कुछ समय के लिए यह 93.57 प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। यह शुरुआती बढ़त पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त दर्शाती है। हालांकि, दिन के दौरान घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों के दबाव के कारण रुपया फिर कमजोर हो गया और दिन के कारोबार में यह 95.22 के सर्वकालिक निचले स्तर तक गिर गया।विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की यह कमजोरी केवल घरेलू मुद्दों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में निरंतर बढ़ोतरी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव डाला है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर विशेष रूप से तेल आयातक देशों पर अधिक होता है, और भारत जैसे देशों में यह मुद्रा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।वहीं, भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों को सतर्क बनाए हुए है। ऐसे समय में विदेशी निवेशक सुरक्षित मुद्रा यानी अमेरिकी डॉलर में निवेश करना पसंद कर रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया दबाव में है।इससे पहले शुक्रवार को भी रुपया 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। उस दिन रुपया 89 पैसे की भारी गिरावट का सामना कर चुका था। ऐसे में सोमवार की शुरुआती बढ़त निवेशकों को थोड़ी राहत देने वाली थी, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक संकेतकों के चलते यह राहत लंबे समय तक टिक नहीं पाई।बैंक और वित्तीय विश्लेषकों का कहना है कि रुपये की स्थिति का अंदाजा लगाने के लिए लगातार विनिमय दर, कच्चे तेल की कीमत, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विदेशी निवेश के रुझान को देखा जाना जरूरी है। निवेशकों और छात्रों के लिए यह समझना भी जरूरी है कि विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता के कारण मुद्राओं में उतार-चढ़ाव सामान्य है।विशेषज्ञों का सुझाव है कि घरेलू निवेशक और व्यवसायिक संस्थान अपनी वित्तीय रणनीतियों में रुपये के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए जोखिम प्रबंधन करें। यह भी कहा गया कि अगर डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी जारी रहती है तो आयातक कंपनियों और कच्चे माल पर निर्भर उद्योगों को लागत बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।शिक्षार्थियों और सामान्य पाठकों के लिए यह आर्थिक परिदृश्य समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि मुद्रा का उतार-चढ़ाव सीधे तौर पर सस्ते या महंगे आयात-निर्यात, विदेशी निवेश, तेल की कीमतों और घरेलू कीमतों पर असर डालता है।इस प्रकार, रुपये की गिरावट न केवल आर्थिक विश्लेषकों के लिए, बल्कि छात्रों, निवेशकों और आम नागरिकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख है कि वैश्विक आर्थिक घटनाओं और घरेलू नीतियों का प्रत्यक्ष असर हमारी मुद्रा और वित्तीय स्थिरता पर पड़ता है।

## यानिक सिनर ने मियामी ओपन पुरुष एकल खिताब पर कब्जा किया

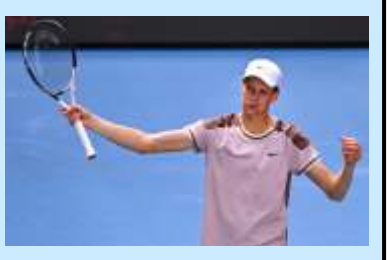

यानिक सिनर ने मियामी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में सिनर ने जिरि लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों टूर्नामेंट जीतकर पुरुष वर्ग में 'सनशाइन डबल' पूरा किया। इससे पहले, महिला एकल में एरिना सबालेंका ने कोको गाफ को हराकर अपना 'सनशाइन डबल' हासिल किया था।सिनर 2017 के बाद यह कमाल करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। तीन साल पहले भी उन्होंने मियामी ओपन जीत रखी थी, लेकिन पिछले साल प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण उन्हें इस टूर्नामेंट से बाहर रहना पड़ा था। इस जीत ने सिनर को न केवल मानसिक मजबूती बल्कि खेल में निरंतरता का प्रमाण भी दिया। फाइनल मुकाबले में सिनर ने अपनी सर्विस पर जबरदस्त नियंत्रण दिखाया। उन्होंने पहले सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक जीतकर और सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर अपने विपक्षी पर दबाव बनाए रखा। इस जीत के साथ उनका मास्टर्स 1000 मुकाबलों में बिना सेट गंवाए जीतने का सिलसिला 17 तक पहुंच गया, जो कि उनके निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है।मुकाबले के बाद सिनर ने कहा, "हमने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है, इसलिए मैं बेहद खुश हूं। अब घर लौटने को लेकर उत्साहित हूं। पहली बार 'सनशाइन डबल' हासिल करना मेरे लिए अविश्वसनीय है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह संभव हो पाएगा।"सिनर की यह जीत उनकी खेल यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गई है। लगातार शानदार प्रदर्शन और मानसिक मजबूती ने उन्हें विश्व टेनिस में शीर्ष खिलाड़ियों की श्रेणी में बनाए रखा है। यह सफलता न केवल उनके लिए बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए भी उत्साहजनक साबित हुई है।

# हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने

## 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

# फखर जमां और शाहीन अफरीदी ने

## पीएसएल में गेंद छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज किया

पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज फखर जमां, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच पाकिस्तान सुपर लीग के मैच के दौरान गेंद से छेड़खानी के आरोपों को खारिज किया है। 35 बरस के फखर को मैच रैफरी रोशन महानामा ने पीएसएल की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आचार संहिता की धारा 2 . 14 के तहत लेवल तीन के अपराध का दोषी पाया था।जमां को पीएसएल के अनुच्छेद 41.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। यह अनुच्छेद गेंद की स्थिति को बदलने वाली किसी भी हरकत पर रोक लगाता है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर के सामने पेश होकर जमां ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। यह आरोप कराची किंग्स की पारी के आखिरी ओवर से पहले का है जब उन्हें जीत के लिये 14 रन की जरूरत थी। फखर को हारिस रऊफ और लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी से बात करते देखा गया। इसके बाद अंपायर फैसल अफरीदी ने गेंद मांगी और उसे देखने के बाद पाया कि इससे छेड़छाड़ की गई है। मैच रैफरी अगले 48 घंटे में फिर सुनवाई के बाद फैसला सुनायेंगे। अंपायर ने गेंद से छेड़छाड़ के लिये लाहौर कलंदर्स पर पांच रन का जुर्माना लगाया जिससे कराची को आखिरी ओवर में नौ रन ही चाहिये थे जो उन्होने बना लिये। अगर मैच रैफरी इस बात की पुष्टि कर देते हैं कि गेंद के साथ छेड़छाड़ की गई थी तो फखर और शायद लाहौर कलंदर्स की पूरी टीम को गंभीर सजा का सामना करना पड़ सकता है। अफरीदी ने सोमवार को कहा कि उन्हें गेंद की हालत बदले जाने के बारे में कुछ भी पता नहीं था। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि गेंद की हालत बदली थी या नहीं। लेकिन अंपायरों का फैसला देखकर निराशा हुई। " वह लाहौर में एक अनुशासनात्मक सुनवाई के लिए मैच रैफरी महानामा के सामने भी पेश होंगे। इसी तरह रजा ने भी गेंद के साथ छेड़छाड़ किए जाने के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया। उन पर शनिवार को टीम होटल में अपने रिश्तेदारों को कमरे में लाकर पीएसएल के सुरक्षा नियमों को तोड़ने के लिए पहले से ही कार्रवाई चल रही है। उन्होंने मैच के बाद प्रेस काफ्रेंस मे कहा, "मुझे नहीं पता कि गेंद के साथ छेड़छाड़ की गई थी या किसने की थी। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

## प्रमोद भगत ने टोलेडो में किया भारत का नाम रोशन

# मिश्रित युगल में जीता स्वर्ण

स्पेन के टोलेडो में संपन्न स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 लेवल 1 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। भारतीय पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने इस अभियान की अगुवाई की और एक स्वर्ण तथा दो रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।भगत की सबसे बड़ी उपलब्धि मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में मनीषा रामदास के साथ बनाई गई जोड़ी ने हासिल किया। इस जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल और कड़ी मेहनत से अपने ही देश के खिलाड़ियों नितेश कुमार और तुलसीमती मुरुगेसन को मात्र 30 मिनट में 21-15, 24-22 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह जीत भारतीय टीम के लिए खास रही और प्रमोद भगत की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। पुरुषों के एकल एसएल3 फाइनल में भगत को अपने हमवतन नितेश कुमार से 10-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा, भगत ने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल एसएल3-एसयू5 में भी रजत पदक जीता। इस जोड़ी ने नवीन शिवकुमार और सूर्यकांत यादव की भारतीय जोड़ी के खिलाफ शानदार मुकाबला किया, लेकिन 16-21, 21-12, 15-21 से हार गई। भारत के अन्य खिलाड़ियों ने भी इस टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नितेश कुमार ने पुरुषों के एकल एसएल3 में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला युगल एसएल3-एसयू5 में मानसी जोशी और तुलसीमती मुरुगेसन ने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, तुलसीमती ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनीषा रामदास को इसी वर्ग में रजत पदक मिला।इस तरह भारत का अभियान इस टूर्नामेंट में यादगार रहा, जिसमें विभिन्न वर्गों में कई पोडियम स्थान हासिल किए गए। प्रमोद भगत की अगुआई में भारतीय खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत और काबिलियत का शानदार प्रदर्शन किया, जो देश के लिए गर्व का क्षण साबित हुआ।

# केकेआर के करोड़ों उड़े हवा में

## कैमरून ग्रीन का IPL 2026 डेब्यू रहा फीका

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रविवार की रात को आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। इस मुकाबले में केकेआर ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 220 रन बनाए, लेकिन जवाब में मुंबई इंडियंस ने 19.1 ओवर में 6 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली।इस मैच में सबसे बड़ी चर्चा का विषय रहे कैमरून ग्रीन, जिन्हें इस साल की मिनी नीलामी में केकेआर ने 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। यह IPL इतिहास में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ियों में से एक हैं और अब तक के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं।हालांकि, इस मैच में ग्रीन का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। केकेआर की पारी के दौरान ग्रीन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। उस समय तक अंजिक्य रहाणे और फिन एलन ने एक मजबूत साझेदारी बना रखी थी। फिन एलन के आउट होने पर केकेआर का स्कोर 5.2 ओवर में 69 रन था, और इस समय ग्रीन के पास पारी को संभालने का मौका था। लेकिन उन्होंने केवल 10 गेंदों पर 18 रन बनाए और शार्दुल ठाकुर की गेंद पर अपना कैच रदरफोर्ड को थमा बैठे। इसके अलावा, ग्रीन ने पूरी तरह फिट होने के बावजूद मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी, जिससे केकेआर को लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस प्रदर्शन को लेकर अब विशेषज्ञ इम्पैक्ट इंडेक्स और WPA इंडेक्स के आधार पर ग्रीन के योगदान का विश्लेषण कर रहे हैं। इम्पैक्ट इंडेक्स यह दर्शाता है कि किसी खिलाड़ी का मैच पर कितना असर पड़ा, जबकि

WPA (Win Probability Added) इंडेक्स यह बताता है कि किसी खिलाड़ी ने अपनी टीम की जीत की संभावना में कितना योगदान दिया। प्रत्येक गेंदबाजी और बल्लेबाजी की स्थिति, रन और गेंदों की संख्या, इन दोनों इंडेक्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

### नोएडा स्टार्टअप फाउंडर का दर्द- साल के 500 घंटे जाम में हो रहे खर्च

# ट्रैफिक की 'जंग' में फंसा जीवन

**नोएडा के एक स्टार्टअप फाउंडर ने बताया कि 4 किमी की दूरी तय करने में उन्हें 45 मिनट लगते हैं, जिससे ट्रैफिक और शहरी बुनियादी ढांचे की समस्याएं सामने आईं.**

इस पोस्ट के बाद लोगों ने भी अपने लंबे सफर और ट्रैफिक की परेशानियां शेयर की.

नोएडा के एक स्टार्टअप के फाउंडर स्वप्निल श्रीवास्तव ने अपने रोज़ के सफर का अनुभव शेयर किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रैफिक और खराब बुनियादी ढांचे को लेकर बहस शुरू हो गई.

उन्होंने बताया कि उनका ऑफिस उनके घर से सिर्फ 4 किलोमीटर दूर है, लेकिन कार से वहां पहुंचने में उन्हें 45 मिनट लग जाते हैं.

उन्होंने मजाक में कहा कि वे पैदल चलकर और बीच में चाय पीकर भी शायद जल्दी पहुंच सकते हैं. उन्होंने यह भी बताया कि यह समस्या सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि बड़े शहरों में आम बात है. उनके अनुसार, बेंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में लोग रोजाना औसतन 60-70 मिनट सिर्फ आने-जाने में बिताते हैं. मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं. उनका कहना है कि इस वजह से लोगों का काफी समय और ऊर्जा बर्बाद होती है, जिससे काम की उत्पादकता पर भी असर पड़ता है. ⊙

## फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए खुद को करवाया किडनैप!

लोग सोशल मीडिया पर व्यूज और फॉलोअर्स के लिए क्या कुछ नहीं करते हैं. अजीबोगरीब पीआर स्टंट से लेकर खुद के मरने तक की अफवाह फैला देते हैं. ऐसा ही कुछ ब्राजील की एक मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने भी अपने साथ किया. उसने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए खुद की किडनैपिंग की साजिश रची, जिसका पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया. ⊙

### कई नौकरियों में नहीं मिलती इतनी सैलरी

# ऑटो चलाकर महीने की 75 हजार कमाई!

मुंबई के एक ऑटो ड्राइवर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपनी कमाई को लेकर बड़ा दावा किया है. ड्राइवर का कहना है कि खर्च निकालने के बाद भी वह रोज करीब ₹2,500 कमा लेता है.

यानी महीने में उसकी कमाई लगभग ₹75,000 तक पहुंच जाती है. यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया, जिसके बाद लोगों के बीच कमाई और नौकरी को लेकर बहस शुरू हो गई है. वीडियो में ऑटो ड्राइवर कहता है कि मुंबई भले ही महंगा शहर है, लेकिन यहां कमाई के मौके भी काफी हैं. उसका कहना है कि अगर मेहनत

की जाए तो अच्छी कमाई की जा सकती है. वहीं वीडियो बनाने वाले शख्स ने इसकी तुलना कॉर्पोरेट जॉब से करते हुए कहा कि कई फ्रेशर्स अपनी पहली नौकरी में इतनी सैलरी नहीं कमा पाते. ⊙

### धीरे-धीरे बदल रहा ट्रेंड

# कंजक पूजन में अब पिज्जा-बर्गर का भोग

नवरात्रि का पावन पर्व चल रहा है और पूरे देश में भक्त मां दुर्गा की पूजा-अर्चना में लगे हुए हैं. ऐसे में अष्टमी और नवमी के दिन कंजक पूजन का विशेष महत्व होता है, जहां छोटी कन्याओं को देवी का रूप मानकर उन्हें भोजन कराया जाता है.

इस बार भी कई लोगों ने अष्टमी के दिन कंजक पूजन कर भोग लगाया, जबकि कुछ लोग नवमी के दिन यह परंपरा निभाने वाले हैं. खास बात यह है कि इस बार कंजक पूजन से जुड़े कई वीडियो और रील्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. दरअसल, समय के साथ पूजा और भोग के तरीके भी बदलते नजर आ रहे हैं.

पहले जहां कंजक पूजन में पूड़ी, चना और हलवा जैसे पारंपरिक

कंजक पूजन से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. (Photo: Instagram)

प्रसाद खिलाए जाते थे, वहीं अब लोग इसमें नए-नए प्रयोग कर रहे हैं. इस बार कई जगहों पर कंजकों को मैगी, पाव भाजी, वड़ा पाव, आइसक्रीम जैसे फास्ट फूड खिलाए गए. इतना ही नहीं, कुछ लोगों ने तो कंजकों के लिए बर्गर और कोल्ड ड्रिंक का भी इंतजाम किया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है. इन वीडियो में देख सकता हैं कि बच्चे भी इन नए तरह के भोग को काफी खुशी से खा रहे हैं. हालांकि, इस बदलते ट्रेंड को लेकर लोगों की अलग-अलग राय सामने आ रही है.

कुछ लोग इसे समय के साथ बदलती सोच और बच्चों की पसंद से जोड़कर देख रहे हैं. ⊙

# मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में विनीत कुमार सिंह दिखाएंगे खौफनाक अंदाज़

हॉरर फिल्म प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में प्रसिद्ध अभिनेता विनीत कुमार सिंह मुख्य विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। विनीत कुमार सिंह ने हाल ही में विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' और सनी देओल की 'जाट' में अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है। अब वह निर्देशक आदित्य सरपोतदार की इस नई हॉरर फिल्म में अपनी दमदार परफॉर्मेंस दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।'शक्ति शालिनी' की घोषणा पहली बार आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' की रिलीज के दौरान की गई थी। इस फिल्म में अनीत पड्डा को मुख्य अभिनेत्री के रूप में पहले ही फाइनल किया जा चुका है। अनीत पिछले कुछ वर्षों में अपनी भूमिकाओं और परफॉर्मेंस के लिए दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो चुकी हैं। वहीं, हाल ही में फिल्म में विशाल जेठवा भी मुख्य अभिनेता के रूप में शामिल हुए हैं।विशाल जेठवा और अनीत पड्डा पहले भी फिल्म 'सलाम वेंकी' में एक साथ नजर आ चुके हैं और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई थी। 'शक्ति शालिनी' में यह जोड़ दर्शकों को फिर से रोमांचक और डरावने अनुभव के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री देखने का मौका देगा।फिल्म की रिलीज को लेकर फिलहाल कुछ बदलाव की खबरें भी सामने आ रही हैं। पहले यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन चर्चा है कि इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा सकती है। इसका मुख्य कारण यह है कि उसी दिन बॉलीवुड के शाहरुख खान की बड़ी फिल्म 'किंग' भी रिलीज होने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिस्पर्धा को देखते हुए निर्माता और वितरक फिल्म की रिलीज डेट बदल सकते हैं ताकि इसे अधिकतम दर्शक मिल सकें।फिल्म के टाइटल को लेकर अब तक कई पोस्टर और प्रमोशनल सामग्री जारी की जा चुकी है, लेकिन कहानी और प्लॉट को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में दर्शकों को कई नए हॉरर एलिमेंट्स देखने को मिल सकते हैं, और विनीत कुमार सिंह की भूमिका फिल्म के डरावने अनुभव को और भी प्रभावशाली बनाने वाली है।निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने इस फिल्म के बारे में कहा है कि यह हॉरर फिल्म दर्शकों को सस्पेंस और थ्रिल का ऐसा अनुभव देगी जो उन्हें सीट से बांध कर रखेगा। वहीं, विनीत कुमार सिंह ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि उन्हें मुख्य विलेन की भूमिका निभाने में बेहद मज़ा आ रहा है और वह दर्शकों को डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।इस फिल्म में अब तक फाइनल कलाकारों की लिस्ट में अनीत पड्डा, विशाल जेठवा और विनीत कुमार सिंह शामिल हैं। आने वाले हफ्तों में और कलाकारों के जुड़ने की भी संभावना है। फिल्म की शूटिंग अब मुंबई और आसपास के लोकेशंस में जोर-शोर से चल रही है।फिल्म प्रेमियों के लिए यह उत्सुकता की खबर है कि 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स में नए खौफ और सस्पेंस का तड़का लेकर आ रही है। हॉरर फिल्म की दुनिया में यह फिल्म दर्शकों को डराने और रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

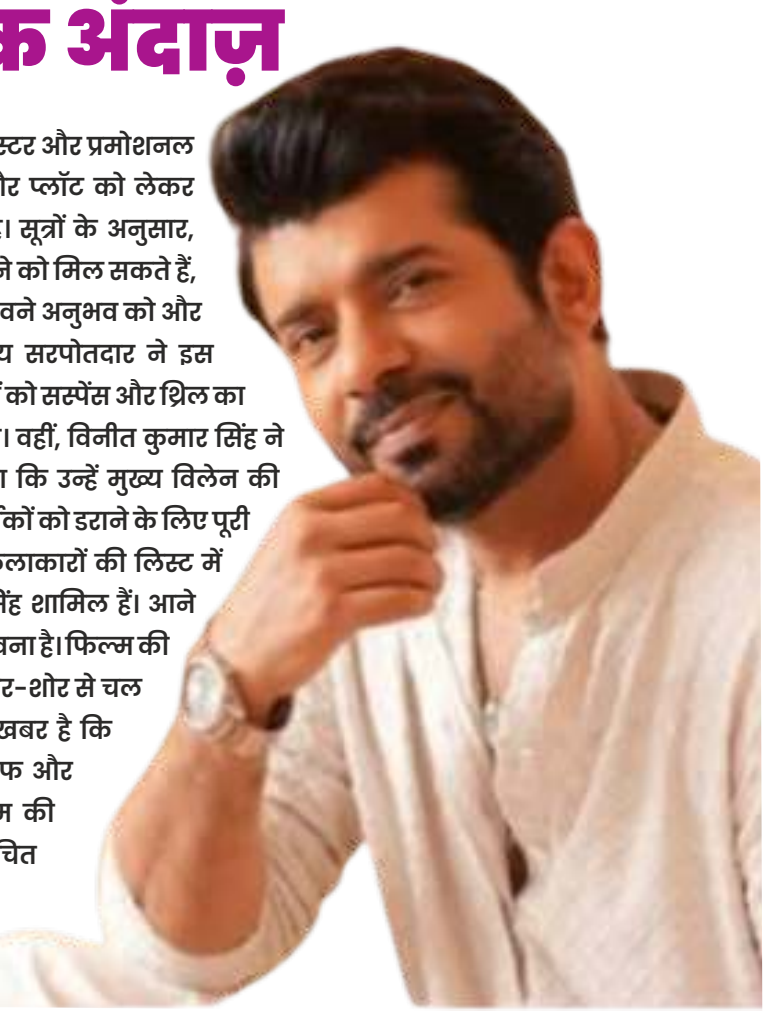

## लखनऊ की दुबग्गा-आउटर रिंग रोड चौड़ीकरण में गंभीर अनियमितताएं सामने

# अधूरी सड़क का काम अब PWD खुद कर रहा है पूरा

**लखनऊ की दुबग्गा-आउटर रिंग रोड चौड़ीकरण में अनियमितताएं सामने आई हैं। PWD की जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता और चौड़ाई में कमी पाई गई। अधूरा और असंगत काम अब PWD द्वारा पूरा किया जाएगा। एलडीए की जल्दबाजी में की गई काम में तकनीकी मानकों का पालन नहीं हुआ।**

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में दुबग्गा से आउटर रिंग रोड को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण में सामने आई अनियमितताएं अब जांच के स्तर से आगे बढ़कर कार्रवाई की दिशा में पहुंच गई हैं। लोक निर्माण विभाग (PWD) की जांच रिपोर्ट में सड़क निर्माण में तकनीकी कमियों और मानकों की अनदेखी की पुष्टि हुई है, जिसके बाद अधूरा और असंगत कार्य अब सीधे P W D द्वारा पूरा कराया जाएगा।राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन से पहले दुबग्गा-आउटर रिंग रोड का चौड़ीकरण जल्दबाजी में कराया गया था। इस परियोजना को राज्य राजमार्ग-25 (SH-25) का हिस्सा माना जाता है, जिसमें कुल 3.6 किलोमीटर की सड़क को फोरलेन बनाने के लिए 145.36 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी। एलडीए ने अपने स्तर पर करीब 9 करोड़ रुपये खर्च कर सड़क के दोनों किनारों को 2.5 से 3 मीटर तक चौड़ा कराया, लेकिन जांच में पाया गया कि यह काम तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया।IPWD ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (L D A) को अपनी रिपोर्ट भेजी है, जिसमें सड़क निर्माण की गुणवत्ता और चौड़ाई को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि कई हिस्सों में चौड़ीकरण कम पाया गया और निर्माण की मोटाई तथा सामग्री भी तकनीकी मानकों पर खरी नहीं उतरी। जांच कमेटी ने मौके पर निरीक्षण के बाद यह भी माना कि सड़क की वास्तविक चौड़ाई निर्धारित मानकों से कम है, जिससे भविष्य में यातायात और सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इन कमियों के सामने आने के बाद PWD ने निर्णय लिया है कि अधूरे और असंगत कामों को विभाग खुद पूरा करेगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। प्रस्ताव स्वीकृत होने और बजट मिलने के बाद ही कार्य शुरू होगा। PWD अधिकारियों के अनुसार, सड़क को मानक अनुरूप बनाने के बाद ही यह फोरलेन परियोजना पूरी तरह सुरक्षित और लंबी अवधि के लिए उपयोगी मानी जाएगी। एलडीए ने सड़क चौड़ीकरण में जल्दबाजी के चलते केवल दिखावटी कार्य किया, जबकि वास्तविक तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई। PWD की रिपोर्ट में साफ किया गया है कि अब केवल शासन की अनुमति और बजट मिलने के बाद ही पूरी तरह चौड़ीकरण और गुणवत्ता सुधार किया जाएगा। इस कदम से उम्मीद जताई जा रही है कि लखनऊ में सड़क निर्माण में गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी और भविष्य में ऐसे अधूरे या मानकहीन कार्य को रोकने के लिए सख्त निगरानी भी की जाएगी।इस प्रकार दुबग्गा-आउटर रिंग रोड चौड़ीकरण मामले में PWD ने जांच रिपोर्ट के बाद स्पष्ट किया है कि अब विभाग जिम्मेदारी खुद उठाकर सड़क को सुरक्षित और तकनीकी मानकों के अनुसार तैयार करेगा।

## लखनऊ की दिशा सिंह ने पहली बार में बनाई नायब तहसीलदार की कुर्सी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

27 वर्षीय दिशा सिंह ने 34वीं रैंक हासिल कर अपने पहले प्रयास में नायब तहसीलदार बनने की सफलता पाई। दिशा फिलहाल दिल्ली के एनडीएमसी स्कूल में टीचर के रूप में कार्यरत हैं। वह दो भाई-बहन में बड़ी हैं। उनके पिता राम भोले सिंह लखनऊ कमिश्नरेट में दरोगा के पद पर तैनात हैं। यूपी-पीसीएस का रिजल्ट आते ही उनके घर पर शुभकामनाओं का तांता लग गया। दिशा ने पूरी तैयारी सेल्फ स्टडी के माध्यम से की और पहली बार में ही सफलता हासिल की।इसी तरह लखनऊ के आशियाना की शिवली सिंह ने भी पहले प्रयास में सफलता हासिल की है। उन्होंने 103वीं रैंक हासिल कर नायब तहसीलदार का पद पाया। शिवली ने कानपुर सीएमएस रोड से स्कूलिंग की और ग्रेजुएशन दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरी की। इतिहास विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाली शिवली ने पढ़ाई घर पर ही अपने पिता, रिटायर्ड स्पेशल सेक्रेट्री एग्रीकल्चर, विद्याशंकर सिंह के मार्गदर्शन में पूरी की।परिवार में भाई हनी सिंह इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं और वर्तमान में वियतनाम में हैं। मां सरीश सिंह का फरवरी 2025 में निधन हो गया था। पिता के अनुसार, शिवली की पहली प्रेफरेंस एसडीएम की थी, लेकिन बाद में उन्होंने नायब तहसीलदार का विकल्प चुना। यूपी-पीसीएस 2024 के रिजल्ट में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रजत शुक्ला ने भी कमर्शियल टैक्स ऑफिसर पद पर चयन पा कर शहर का नाम रोशन किया।लखनऊ के छात्रों की यह उपलब्धि शहर के युवा वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है और आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की उम्मीद बढ़ा रही है।

# लखनऊ एयरपोर्ट पर शुरू हुआ 'उड़ान यात्री कैफे' नाश्ता अब मात्र 10 रुपये में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 'उड़ान यात्री कैफे' का ऑनलाइन उद्घाटन किया। यह कैफे टर्मिनल-3 के चेक-इन हॉल में स्थापित किया गया है और इसका उद्देश्य हवाई यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक खाद्य-पेय विकल्प उपलब्ध कराना है। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री नायडू ने बताया कि यह पहल 'उड़ान' योजना के तहत की गई है, जो आम नागरिक को हवाई यात्रा अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कैफे में यात्रियों को 10 रुपये से नाश्ता और पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिल सके। मंत्री ने इस योजना को नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आम आदमी की सुविधा बढ़ाने वाली मील का पत्थर बताया।लखनऊ एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि 'उड़ान यात्री कैफे' की शुरुआत से हवाईअड्डे पर यात्रियों को सस्ती दरों पर नाश्ता, चाय, कॉफी और अन्य पेय एवं स्नैक्स उपलब्ध होंगे। उनका कहना था कि यह कदम यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और एयरपोर्ट पर इंतजार के दौरान उन्हें राहत देने की दिशा में उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल सरकार के किफायती हवाई यात्रा मिशन के अनुरूप है और यात्रियों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी।चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का संचालन लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एलआईएएल) द्वारा किया जा रहा है। एलआईएएल, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ 50 वर्षों के लिए समझौता कर 2 नवंबर 2020 से हवाईअड्डे का संचालन कर रही है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान

में रखते हुए डिजी यात्रा, ई-गेट्स, 2डी स्कैनर, सेल्फ बैगेज ड्रॉप काउंटर और फास्टैग आधारित भुगतान प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। 'उड़ान यात्री कैफे' इन सुविधाओं के साथ यात्रियों के लिए अतिरिक्त आराम और किफायती विकल्प प्रदान करेगा, जिससे हवाईअड्डे पर यात्रा अनुभव और अधिक सहज और आनंददायक बनेगा।इस पहल को नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा हवाई यात्रा को आम नागरिक के अनुकूल बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। यात्रियों को अब न केवल आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा, बल्कि उनकी यात्रा के दौरान भोजन और पेय की कमी की चिंता भी नहीं रहेगी।

# लखनऊ में बैंक डिप्टी मैनेजर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गुडंबा इलाके में बैंक के डिप्टी मैनेजर ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त कमरे में अकेले थे। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में मिले। मौके पर पहुंची पुलिस में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।मामले की जांच की जा रही है। मूल रूप से गोरखपुर निवासी काजी अहमद जैद (32) लखनऊ में आदिल नगर कल्याणपुर गुडंबा में परिवार के साथ रहते थे। अलीगंज स्थित एक्सिस बैंक में डिप्टी मैनेजर के पद पर तैनात थे। सोमवार सुबह करीब 9 बजे घर की पहले मंजिल पर बने कमरे में 32 बोर की पिस्टल से खुद को गोली मार ली। काफी देर नीचे नहीं आए तो पत्नी तैयबा देखने पहुंची। तब लहूलुहान हालात में मिले जिसे देखकर पत्नी की चीख निकल गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया दो दिन पहले गोंडा रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए थे। वहां से रविवार रात वापस लौटे। इसके बाद सब लोग अपने-अपने कमरे में चले गए। सुबह पत्नी घर का काम करने नीचे आ गई। इस दौरान जैद ने आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में बैंक में घोटाले की बात सामने आ रही है। फिलहाल, पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

## लखनऊ स्टेशन पर मां की गोद से बेटा चोरी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां चारबाग रेलवे स्टेशन पर सो रही मां की गोद से उसका पांच वर्षीय बेटा चोरी हो गया। घटना 22 फरवरी 2026 की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता अमेठी जिले के अर्जुननगर गांव की रहने वाली है और अपने तीन छोटे बेटों के साथ लखनऊ आई थी।जानकारी के अनुसार, बच्चे के पिता धर्मेंद्र और उनकी पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी। विवाद के बाद पत्नी तीनों बेटों को लेकर घर छोड़ गई और लखनऊ आ गई। यहां वह रात में चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 (छोटी लाइन) पर सो गई। सुबह जागने पर उसने देखा कि उसका सबसे छोटा बेटा उस्मान (5 वर्ष) गायब था।मां ने बताया कि वह दोनों बड़े बेटों को अपने साथ लेकर घर लौट आई, लेकिन उस्मान कहीं दिखाई नहीं दिया। परिवार ने बच्चे की खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पिता ने 30 मार्च को जीआरपी चारबाग में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। इसके पहले उन्होंने अमेठी के थाना सुल्तान वारिसगंज में भी मामला दर्ज कराया था।जीआरपी ने बताया कि बच्चे के लापता होने की सूचना मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि बच्चा कब और किसके साथ स्टेशन से गया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी ने पांच वर्षीय बच्चे को किसी के साथ देखा है तो तुरंत जानकारी दें।

# मांझे की चपेट में आने से आंख बची, कान कटने से अस्पताल में भर्ती

लखनऊ में पतंगबाजी का खतरनाक रूप एक बार फिर सामने आया है। नगर निगम जोन-8 में तैनात राजस्व निरीक्षक राजा भइया रविवार को ड्यूटी के दौरान चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब वह जोन-8 कार्यालय से लालबाग स्थित मुख्यालय फाइल लेकर जा रहे थे।सूत्रों के अनुसार, एनेक्सी भवन के पास अचानक तेज मांझा उनके कान में उलझ गया। हादसे में उनका कान कट गया, वहीं आंख बाल-बाल बची। तुरंत उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना ने एक बार फिर चाइनीज मांझों की घातक प्रकृति को उजागर किया है।यूपी में चाइनीज मांझे की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में इसकी बिक्री हो रही है। भारत में सामान्य धागे से पतंग की डोर तैयार होती है, जबकि चाइनीज मांझे में नायलॉन के साथ मेटलिक पाउडर, कांच और लोहे के चूरे मिलाए जाते हैं। इस मिश्रण से मांझा अत्यंत धारदार और खतरनाक बन जाता है।इस मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाया है। लखनऊ

खंडपीठ ने 10 फरवरी, 2026 को सुनवाई में कहा था कि केवल शासनादेश पर्याप्त नहीं, बल्कि चाइनीज मांझे पर कानूनी प्रावधान बनाना जरूरी है। खंडपीठ ने चेतावनी दी थी कि अगर मांझों की बिक्री और इस्तेमाल जारी रहा, तो पीड़ितों को सरकार से मुआवजा लेने का अधिकार होगा। न्यायमूर्ति रजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया।सिर्फ हाईकोर्ट ही नहीं, बल्कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने अफसरों को स्पष्ट किया था कि चाइनीज मांझे से किसी की जान जाने पर हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने साफ किया कि चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध है और इसका कोई भी उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# उन्नाव में आंगनबाड़ी केंद्रों और सीडीपीओ कार्यालयों का लोकार्पण व शिलान्यास

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जनपद में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की योजनाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों तथा बाल विकास परियोजना कार्यालय (सीडीपीओ) भवनों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बम्बा लाल दिवाकर (सफीपुर विधायक) उपस्थित रहे। उनके साथ जिलाधिकारी गौरांग राठी तथा मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम से जुड़ते हुए मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ से ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न जनपदों में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया, जिसमें उन्नाव भी शामिल रहा।मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा जनपद उन्नाव में कुल 194 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास तथा 31 नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही हिलौली एवं बिछिया विकासखंडों में निर्मित दो सीडीपीओ कार्यालय भवनों का उद्घाटन भी संपन्न हुआ। वहीं गंज मुरादाबाद, सफीपुर, सुमेरपुर, हसनगंज, औरास तथा फतेहपुर-84 विकासखंडों में छह नए सीडीपीओ कार्यालय भवनों का शिलान्यास किया गया।विकास भवन सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान विधायक बम्बा लाल दिवाकर ने शिलापट्ट का अनावरण कर योजनाओं की औपचारिक शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ध्यानपूर्वक सुना।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि मजबूत आंगनबाड़ी व्यवस्था से कुपोषण को कम करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बम्बा लाल दिवाकर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नए आंगनबाड़ी केंद्रों और सीडीपीओ कार्यालयों के निर्माण से बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, और इसी दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अपने संबोधन में बताया कि जनपद में आंगनबाड़ी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए।इस अवसर पर परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सुपरवाइजर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संकल्प के साथ हुआ।

## नितिन सिंह चौहान बने ट्रेजरी अफसर, यूपीपीसीएस में हासिल की 17वीं रैंक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के पनई बुजुर्ग गांव निवासी नितिन सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर ट्रेजरी अफसर का पद हासिल किया है।उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।नितिन सिंह चौहान, योगेन्द्र सिंह चौहान के पुत्र हैं, जो भारतीय सेना में कैप्टन पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सैन्य परिवार में पले-बढ़े नितिन को बचपन से ही अनुशासन और देशसेवा की प्रेरणा मिली, जिसने उन्हें प्रशासनिक सेवा की ओर अग्रसर किया। यह सफलता नितिन को उनके तीसरे प्रयास में मिली है। इससे पहले दो बार असफल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उनके दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का परिणाम रहा कि उन्होंने प्रदेश स्तर पर 17वीं रैंक हासिल करते हुए ट्रेजरी अफसर का पद प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बन गई है। नितिन के परिवार में उनकी दो बहनें रेनू और बीनू हैं, जिनका विवाह हो चुका है। परिवार ने हमेशा उनकी पढ़ाई और तैयारी में पूरा सहयोग दिया। परिजनों के अनुसार, नितिन शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं।वर्तमान में नितिन सिंह चौहान प्रयागराज में रहकर वर्ष 2025 की यूपीपीसीएस परीक्षा के मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। उनका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में उच्च पद प्राप्त कर समाज और देश की सेवा करना है। नितिन की सफलता पर गांव के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नई प्रेरणा मिलेगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि नितिन ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता की सेवा कर जिले और प्रदेश का नाम और ऊंचा करेंगे।

## भूमाफिया पर चला बुल्डोजर

### ढाई करोड़ की सरकारी जमीन कब्जामुक्त

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जनपद में अवैध कब्जों और भूमाफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुरवा तहसील के मौरावां नगर पंचायत क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर प्लाटिंग करने वाले एक भूमाफिया के खिलाफ बुल्डोजर कार्रवाई की गई। इस दौरान करीब ढाई करोड़ रुपये मूल्य की 9 बिस्वा सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी इसरार अहमद गाटा संख्या 2382 और 2277 की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से पक्की नींव तैयार कर प्लाटिंग कर रहा था। आरोप है कि वह इस भूमि को निजी संपत्ति की तरह बेचने की तैयारी में था। मामले की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग ने जांच की, जिसमें उक्त भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम पुरवा प्रमेश श्रीवास्तव ने संबंधित व्यक्ति को कब्जा हटाने के लिए नोटिस जारी किया। प्रशासन की ओर से स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित समय सीमा में अवैध निर्माण नहीं हटाया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, चेतावनी के बावजूद आरोपी द्वारा निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए सोमवार को कार्रवाई को अंजाम दिया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और बुल्डोजर की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान तहसीलदार मनीष द्विवेदी और नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई में करीब 9 बिस्वा सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ढाई करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने बताया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रशासन लगातार अभियान चलाकर सरकारी भूमि को मुक्त कराने का कार्य करेगा। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य अवैध कब्जाधारकों में भी हड़कंप मच गया है और प्रशासन की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

## मौसम बदलाव से बढ़े बीमारियों के मामले, जिला अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जनपद में मौसम के अचानक बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव और दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी और पेट संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा असर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर पड़ रहा है, जहां इन दिनों मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है।सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 700 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराया। सुबह अस्पताल खुलते ही पर्चा काउंटर पर लंबी कतारें लग गईं, जिससे मरीजों को रजिस्ट्रेशन के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। डॉक्टर कक्षों के बाहर भी पूरे दिन मरीजों और उनके तीमारदारों की भीड़ बनी रही, जिससे अस्पताल परिसर में काफी चहल-पहल का माहौल रहा।चिकित्सकों के अनुसार, मौसम परिवर्तन के कारण सबसे अधिक मरीज बुखार, गले में खराश, सिर दर्द, बदन दर्द और एलर्जी जैसी समस्याओं से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चों और बुजुर्गों की संख्या विशेष रूप से अधिक है। डॉक्टरों का कहना है कि बदलते मौसम में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे संक्रमण तेजी से फैलता है और लोग जल्दी बीमार पड़ जाते हैं।जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में भी खून की जांच कराने वालों की लंबी कतारें देखी गईं। मरीजों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए बड़ी संख्या में रक्त परीक्षण किए जा रहे हैं, ताकि समय रहते बीमारी की पहचान कर उचित इलाज किया जा सके।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी प्रकार की दवा का सेवन न करें। इसके अलावा साफ और उबला हुआ पानी पीने, बाहर का खुला भोजन न करने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की भी सलाह दी गई है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि बढ़ती मरीज संख्या को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि इलाज में किसी प्रकार की परेशानी न हो। हालांकि, मरीजों की लगातार बढ़ती भीड़ के कारण स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्यभार भी बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि लक्षण दिखाई देने पर समय पर अस्पताल पहुंचकर जांच कराएं और लापरवाही से बचें।

## उन्नाव में किशोरी ने किया सुसाइड

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के अचलगंज थाना क्षेत्र के गंगा खेड़ा गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह उसका शव घर में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंगा खेड़ा गांव निवासी नेहा (16) पुत्री रामदेव ने अपने घर की छत के सहारे फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या की। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिजनों को घटना का पता चला। परिवार के सदस्यों के जागने पर नेहा कमरे में नहीं दिखी। तलाश करने पर वह घर के अंदर फंदे से लटकी मिली। परिजनों ने उसे तुरंत नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही अचलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतका नेहा छह भाई-बहनों में से एक थी, जिसमें चार बहनें और दो भाई शामिल हैं। उसके पिता रामदेव मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पड़ोसियों के अनुसार, नेहा शांत स्वभाव की थी और पहले किसी प्रकार की परेशानी की जानकारी सामने नहीं आई थी। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और परिजनों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने यह भी बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## अस्पताल की लापरवाही का आरोप, हाथ के फ्रैक्चर में बच्चे के शरीर पर चढ़ाया गया बड़ा प्लास्टर

**उन्नाव में एक निजी अस्पताल की कथित लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां 7 वर्षीय बच्चे के हाथ में फ्रैक्चर होने के बावजूद डॉक्टर द्वारा हाथ से लेकर पीठ और पेट तक प्लास्टर चढ़ाने का आरोप लगाया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठने लगे हैं। मामला माखी थाना क्षेत्र के गुलाबखेड़ा गांव का है। यहां निवासी एक 7 वर्षीय बालक अनुज साइकिल चलाते समय गिरकर घायल हो गया था, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई। परिजन उसे इलाज के लिए शहर के मुस्कान हॉस्पिटल ले गए। आरोप है कि डॉक्टर ने सामान्य प्लास्टर के बजाय बच्चे के हाथ से लेकर पीठ और पेट तक बड़ा प्लास्टर कर दिया। घर पहुंचने पर परिजनों ने जब बच्चे की स्थिति देखी तो वे हैरान रह गए। उनका कहना है कि प्लास्टर के कारण बच्चे को बैठने, उठने और सोने में काफी दिक्कत हो रही है। परिवार ने डॉक्टर पर बिना पर्याप्त जानकारी दिए जल्दबाजी में इलाज करने का आरोप लगाया है।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। परिजनों के अनुसार, अब वे बच्चे का दोबारा इलाज कराने की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन मामले की जांच की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।**

# यूपी में 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत सीएम योगी का बड़ा संकल्प: हर बच्चे को मिले शिक्षा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए शैक्षणिक सत्र पर बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार 'स्कूल चलो अभियान' के माध्यम से यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने बच्चों को तकनीक का सही उपयोग करने और अभिभावकों को वंचित बच्चों को स्कूल पहुंचाने में मदद करने का भी आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को खूब पढ़ने और खेलने के लिए प्रेरित करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को संबोधित एक पत्र 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, "मेरे प्यारे बच्चो, नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं।" उन्होंने कहा, "नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें तथा अपने सपनों में रंग भरें।" मुख्यमंत्री ने कहा, "सरकार सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एक अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।" उन्होंने कहा, "विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा।" पत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय (उत्तराखंड) जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले और आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ।" उन्होंने कहा, "विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "सरकार सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एक अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।" उन्होंने कहा, "विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा।" पत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय (उत्तराखंड) जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले और आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ।" उन्होंने कहा, "विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है।" उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान करते हुए कहा, "अपने बच्चों को उत्तम शिक्षा दिलाने के साथ-साथ अपने आस-पड़ोस के उन बच्चों को भी विद्यालय तक पहुंचाने का संकल्प लें, जो शिक्षा से वंचित हैं।" उन्होंने कहा, "सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश नहीं कर पाते और सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं, उनके परिवारों को जागरूक करें।

## यूपी: पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 13 जिलों के एसपी के साथ 27 आईपीएएस अधिकारियों के तबादले

शासन ने सोमवार को 13 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 27 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पुलिस उपायुक्त शशांक सिंह को महोबा का एसपी, विश्वजीत श्रीवास्तव को बहराइच का एसपी और निपुण अग्रवाल को मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। बहराइच के एसपी रामनयन सिंह को नोएडा स्थित 49वीं वाहिनी भेजा गया है। इसके अलावा आईजी ट्रेनिंग चंद्र प्रकाश को सुरक्षा शाखा भेजा गया है। इसके अलावा शाहजहांपुर के एसपी राजेश द्विवेदी को अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। एटा के एसपी श्याम नारायण सिंह को एसडीआरएफ भेजा गया है। महोबा के एसपी प्रबल प्रताप सिंह को पुलिस मुख्यालय में एसपी अपराध बनाया गया है। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्रा को सीतापुर स्थित 11वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। कौशांबी के एसपी राजेश कुमार द्वितीय को मेरठ की 44वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। चंदौली के एसपी आदित्य लांग्हे को फिरोजाबाद का एसपी बनाया गया है। अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। मऊ के एसपी इलामारन जी. को एटा का एसपी बनाया गया है। जालौन के एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार को अयोध्या की 6वीं वाहिनी एसएसएफ का सेनानायक बनाया गया है। फिरोजाबाद के एसपी सौरभ दीक्षित को शाहजहांपुर का एसपी बनाया गया है। महराजगंज के एसपी सोमेंद्र मीना को रामपुर का एसपी बनाया गया है। हमीरपुर की एसपी डा॰ दीक्षा शर्मा को लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। नोएडा की 49वीं वाहिनी में तैनात कमलेश बहादुर को मऊ का एसपी बनाया गया है।

## प्रदेश में शुरू हुई गेहूं की खरीद, सवा लाख किसानों ने किया पंजीकरण; इस बार 48 घंटे में हो जाएगा भुगतान

प्रदेश में गेहूं खरीद सोमवार से शुरू हो गई है। 2.24 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण करा लिया है। प्रदेश में अब तक 3574 क्रय केंद्र भी स्थापित कर लिए गए हैं। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जो पिछले साल की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। खरीद 15 जून तक चलेगी। खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 8 एजेंसियों के 6500 क्रय केंद्र स्थापित होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मौसम को देखते हुए किसानों के लिए छाया, पानी व बैठने समेत हर जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर लेने के निर्देश दिए हैं। उतराई, छनाई व सफाई के लिए किसानों को अलग से 20 रुपये प्रति क्विंटल दिए जाएंगे। खाद्य व रसद विभाग ने 30 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा था, लेकिन मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाकर 50 लाख मीट्रिक टन कर दिया। सीएम ने 48 घंटे में डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान के भी निर्देश दिए हैं। बिचौलियों का हस्तक्षेप न रहे, इसलिए सारा सिस्टम ऑनलाइन कर दिया गया है। जिन किसानों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे fcs.up.gov.in या यूपी किसान मित्र एप के माध्यम से पंजीकरण या नवीनीकरण कर सकते हैं। समस्या होने पर टोल-फ्री नंबर 18001800150 पर संपर्क किया जा सकता है।

## भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत भुवनेश्वर में गिरफ्तार, किसानों के प्रदर्शन में गए थे, कार्यकर्ताओं में गुस्सा

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किसानों के धरने-प्रदर्शन में शामिल होने जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी की खबर फैलते ही भाकियू कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और आक्रोश का माहौल है। भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन 22 मार्च से विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसान इस आंदोलन में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान, आंदोलन में समर्थन देने जा रहे भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत को पुलिस ने रोक लिया और गिरफ्तार कर लिया। भाकियू के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसानों के आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओडिशा के किसान जल, जंगल और जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाकियू का शीर्ष नेतृत्व इस मामले पर बातचीत कर रहा है और पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि आवश्यकता पड़ी तो इसके विरोध में आंदोलन शुरू किया जा सकता है।